CBSE Class 12 Hindi Core 2016 - Set 2/2/2

Question Paper

Conducted by the Central Board of Secondary Education (CBSE)

Time Allowed: 3 Hours **Maximum Marks: 100**

General Instructions

(i) इस प्रश्न-पत्र में कुल 14 मुख्य प्रश्न हैं।

(ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर लिखिए।

(iii) प्रत्येक प्रश्न के साथ दिए गए निर्देशों, आंतरिक विकल्पों तथा शब्द-सीमाओं का पालन कीजिए।

(iv) प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए अतिरिक्त 15 मिनट दिए गए हैं। इस अवधि में उत्तर न लिखें।

Section क

1. तूफ़ानों की ओर घुमा दो नाविक निज पतवार।
आज सिंधु ने विष उगला है
लहरों का यौवन मचला है
आज हृदय में और सिंधु में
साथ उठा है ज्वार।
यह असीम निज सीमा जाने
सागर भी तो यह पहचाने
मिट्टी के पुतले मानव ने
कभी न मानी हार।
लहरों के स्वर में कुछ बोलो
इस अंधड़ में साहस तोलो
कभी-कभी मिलता जीवन में
तूफ़ानों का प्यार।
सागर की अपनी क्षमता है
पर नाविक भी कब थकता है
जब तक साँसों में स्पंदन है
उसका हाथ नहीं रुकता है
इसके ही बल पर कर डाले सातों सागर पार
तूफ़ानों की ओर घुमा दो नाविक निज पतवार।

1(क). कवि नाविक से क्या अनुरोध कर रहा है और क्यों?

1(ख). कवि के अनुसार समुद्र को क्या पहचान लेना चाहिए?

1(ग). नाविक के स्वभाव और संघर्ष को स्पष्ट कीजिए।

1(घ). आशय स्पष्ट कीजिए – 'कभी-कभी मिलता जीवन में तूफ़ानों का प्यार'

1(ङ). काव्यांश का केंद्रीय भाव क्या है?

2. मुक्त बाज़ार की अर्थव्यवस्था ने जहाँ एक ओर शिक्षा और रोज़गार के लिए अनेक अवसर प्रदान किए हैं वहीं हिंदी भाषा के लिए भी। बाज़ार में अधिसंख्य उपभोक्ता चूँकि हिंदी भाषी हैं इसलिए उत्पाद-विपणन, व्यापार और विज्ञापन के लिए हिंदी की आवश्यकता है। देश में भी हिंदी का चलन बढ़ा है। निहित राजनीतिज्ञ स्वार्थों को किनारे कर दें तो हिंदी का प्रचार-प्रसार बढ़ रहा है। हिंदीतर भाषा-भाषी राज्यों, विशेषकर दक्षिण के राज्यों के प्रमुख नगरों में हिंदी प्रसार का एक कारक 'मार्केट' से हिंदी का जुड़ाव भी है। हिंदी का कारवाँ भारत में ही नहीं, विदेशों में भी बढ़ रहा है। दुबई, रूस और ब्रिटेन में तो पहले से ही हिंदी अनजान भाषा नहीं थी; आज अमेरिका, यूरोप, दक्षिण-पूर्व एशिया, दक्षिण अफ्रीका आदि में भी हिंदी व्यवहार में आ रही है। जिन देशों में साम्राज्यवादी दिनों में भारतीय मज़दूर ले जाए गए थे वे आज भी भारतीय मूल का होने पर गर्व करते हैं और हिंदी को पूरे उत्साह के साथ अपनाए हुए हैं। उनमें मॉरिशस, फिज़ी, ट्रिनीडाड, सूरिनाम जैसे देश हैं। वहाँ हिंदी बाज़ार की ही भाषा नहीं, साहित्य और पत्रकारिता की भाषा भी है। उनकी पीड़ा ये है कि भारत ने अपने भारतवंशियों को भुला दिया है। ये लोग बँधुआ मज़दूर के रूप में ले जाए गए थे परंतु आज हमारे सांस्कृतिक दूत हैं। यह ऐसे ही है जैसे हज़ारों वर्ष पूर्व हमारे ऋषियों ने या बाद में बौद्धभिक्षुओं ने समुद्रों, पर्वतों को लाँघकर भारतीयता का प्रचार किया था। भारत हिंदी को संयुक्त राष्ट्र की भाषा बनाने के लिए प्रतिबद्ध है तो उसके साथ यह दायित्व भी उसी का है कि विश्वभर में बिखरे हिंदी भाषियों को बौद्धिक और संसाधनों से समर्थन प्रदान करे।

2(क). उपर्युक्त अनुच्छेद का एक शीर्षक दीजिए।

2(ख). मुक्त बाज़ार के किन लाभों का उल्लेख किया गया है?

2(ग). मुक्त बाज़ार से हिंदी को क्या लाभ हुआ है? क्यों?

2(घ). दक्षिण भारत में हिंदी की क्या स्थिति है? क्यों?

2(ङ). साम्राज्यवादी दौर में भारतीय विदेशों में क्यों और कहाँ-कहाँ ले जाए गए?

2(च). उन प्रवासियों की पीड़ा क्या है और कहाँ तक ठीक है?

2(छ). "वे बँधुआ मज़दूर आज भारत के सांस्कृतिक दूत हैं" – आशय स्पष्ट कीजिए।

2(ज). हिंदी के अधिक प्रचार-प्रसार के लिए भारत को क्या करना चाहिए – दो सुझाव दीजिए।

Section ख

3. 'प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा का माध्यम मातृभाषा ही होना चाहिए।' इसके पक्ष या विपक्ष में तर्क देते हुए किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।
अथवा — ग्रामीण अंचलों में किसानों की शोचनीय दशा के कारणों का विश्लेषण करते हुए अपने राज्य के कृषि मंत्री को पत्र लिखिए।

4. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए:
(क) भ्रष्टाचार की समस्या (ख) प्रगति पथ पर भारत (ग) समाचार-पत्र (घ) क्या नहीं कर सकती नारी

5. 'नगरों की ओर पलायन' अथवा 'महँगाई का दानव' विषय पर एक फ़ीचर का आलेख लिखिए।

6(क). 'समाचार' क्या है? कोई एक परिभाषा स्पष्ट कीजिए।

6(ख). प्रिंट माध्यम की दो उपयोगिताएँ लिखिए।

6(ग). संपादन के किन्हीं दो सिद्धांतों का उल्लेख कीजिए।

6(घ). 'पीत पत्रकारिता' किसे कहा जाता है?

6(ङ). रेडियो समाचारों की भाषा की दो विशेषताएँ समझाइए।

7. 'मेक इन इंडिया' अथवा 'हमारे सैनिक' विषय पर एक आलेख लिखिए।

Section ग

8. आँगन में लिए चाँद के टुकड़े को खड़ी
हाथों पे झुलाती है उसे गोद-भरी
रह-रह के हवा में जो लोका देती है
गूँज उठती है खिल-खिलाते बच्चे की हँसी।

8(क). काव्यांश के वात्सल्य भाव को स्पष्ट कीजिए।

8(ख). 'चाँद के टुकड़े को' – अलंकार सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

8(ग). काव्यांश की भाषा की दो विशेषताएँ लिखिए।

OR

8. सवेरा हुआ
खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा
शरद आया पुलों को पार करते हुए
अपनी नई चमकीली साइकिल तेज चलाते हुए।

8(क). खरगोश की आँखों से किसकी तुलना की गई है? क्यों?

8(ख). काव्यांश के मानवीकरण को स्पष्ट कीजिए।

8(ग). काव्यांश की भाषा की दो विशेषताएँ लिखिए।

9(क). 'आत्मपरिचय' कविता में कवि ने अपने जीवन में किन परस्पर विरोधी बातों का सामंजस्य बिठाने की बात की है?

9(ख). 'कविता के बहाने' उसकी उड़ान और उसके खिलने का आशय स्पष्ट कीजिए।

9(ग). 'बादल राग' के आधार पर लिखिए कि वज्र गर्जन से कौन त्रस्त होते हैं और क्यों?

10. जौं जनतेउँ बन बंधु बिछोहू।
पिता बचन मनतेउँ नहिं ओहू।।
सुत बित नारि भवन परिवारा।
होहिं जाहिं जग बारहिं बारा।।
अस बिचारि जियँ जागहु ताता।
मिलइ न जगत सहोदर भ्राता।।
जथा पंख बिनु खग अति दीना।
मनि बिनु फनि करिबर कर हीना।।
अस मम जिवन बंधु बिनु तोही।
जौं जड़ दैव जिआवै मोही।।

10(क). राम पिता का वचन नहीं मानें – क्या यह संभव था? फिर वे ऐसा क्यों कह रहे हैं?

10(ख). काव्यांश के आधार पर तुलसीदास के नारी विषयक विचार पर टिप्पणी कीजिए।

10(ग). पक्षी और हाथी का उदाहरण क्यों दिया गया है?

10(घ). आशय स्पष्ट कीजिए – 'मिलइ न जगत सहोदर भ्राता।'

OR

10. जाने क्या रिश्ता है, जाने क्या नाता है
जितना भी उँड़ेलता हूँ भर-भर फिर आता है
दिल में क्या झरना है?
मीठे पानी का सोता है
भीतर वह, ऊपर तुम
मुसकाता चाँद ज्यों धरती पर रात-भर
मुझ पर त्यों तुम्हारा ही खिलता वह चेहरा है!

10(क). किसके रिश्ते को कवि समझ नहीं पा रहा है और क्यों?

10(ख). कवि को क्यों लगता है कि दिल में कोई झरना है?

10(ग). 'भीतर वह, ऊपर तुम' – 'वह' और 'तुम' कौन हैं? स्पष्ट कीजिए।

10(घ). मुसकराते चाँद वाली कल्पना को स्पष्ट कीजिए।

11. जैसे मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है, वैसे ही लक्ष्मी की समृद्धि भक्तिन के कपाल की कुंचित रेखाओं में नहीं बँध सकी। वैसे तो जीवन में प्रायः सभी को अपने-अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है; पर भक्तिन बहुत समझदार है, क्योंकि वह अपना समृद्धि सूचक नाम किसी को बताती नहीं। केवल जब नौकरी की खोज में आई थी, तब ईमानदारी का परिचय देने के लिए उसने शेष इतिवृत्त के साथ यह भी बता दिया; पर इस प्रार्थना के साथ कि मैं कभी नाम का उपयोग न करूँ।

11(क). भक्तिन का समृद्धि सूचक नाम क्या था? वह उसे बताना क्यों नहीं चाहती?

11(ख). 'मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है' – कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

11(ग). 'नाम के विरोधाभासों' का आशय सोदाहरण समझाइए।

11(घ). आशय स्पष्ट कीजिए – 'भक्तिन की समृद्धि कपाल की कुंचित रेखाओं में नहीं बँध सकी।'

OR

11. अथवा — बाज़ार को सार्थकता भी वही मनुष्य देता है जो जानता है कि वह क्या चाहता है। और जो नहीं जानते कि वे क्या चाहते हैं, अपनी 'पर्चेज़िंग पावर' के गर्व में अपने पैसे से केवल एक विनाशक शक्ति – शैतानी शक्ति, व्यंग्य की शक्ति ही बाज़ार को देते हैं। न तो वे बाज़ार से लाभ उठा सकते हैं, न उस बाज़ार को सच्चा लाभ दे सकते हैं। वे लोग बाज़ार का बाज़ारूपन बढ़ाते हैं।

11(क). बाज़ार को सार्थकता कौन देता है? कैसे?

11(ख). खरीदने की शक्ति का घमंड बाज़ार को क्या प्रदान करता है?

11(ग). 'बाज़ार की सार्थकता' से क्या तात्पर्य है?

11(घ). आशय स्पष्ट कीजिए – 'वे लोग बाज़ार का बाज़ारूपन बढ़ाते हैं।'

12(क). 'काले मेघा पानी दे' पाठ में लेखक और जीजी के विचारों में मूलभूत अंतर क्या है?

12(ख). "'पहलवान की ढोलक' कहानी गरीब, असहाय ग्रामीणों के मृत्यु-संघर्ष की कथा है।" कथन के पक्ष या विपक्ष में सोदाहरण तर्क दीजिए।

12(ग). 'नमक' कहानी की लोकप्रियता के तीन कारणों का उल्लेख कीजिए।

12(घ). लेखक ने शिरीष के बहाने मनुष्य की 'अधिकार लिप्सा' पर भी प्रहार किया है। सोदाहरण प्रतिपादित कीजिए।

12(ङ). जातिप्रथा हमारे देश में बेरोजगारी और भुखमरी का कारण कैसे बनती रही है? डॉ. आंबेडकर के विचारों के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

13. यशोधर पंत के जीवन से हमें किन जीवन मूल्यों की प्रेरणा मिलती है? समीक्षा कीजिए।

14(क). 'अतीत में दबे पाँव' के आधार पर सिंधु घाटी सभ्यता की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

14(ख). 'जूझ' कहानी के कथानायक के जीवन संघर्ष पर प्रकाश डालिए।

- End of Question Paper -